MONTHLY PROGRESS REPORT

NOVEMBER 2018

KUMAUN UNIVERSITY NAINITAL

(Accredited Grade "A" by NAAC)

MONTHLY PROGRESS REPORT

NOVEMBER 2018

Index

S. No.	Title	Page No.
1.	**Major Achievements/ Awards**	
	1.1 15th Convocation of Kumaun University	01 - 02
	1.2 Mr. Anubhav Mehra has received the Gold Medal	03 - 03
	1.3 Ms. Prabha Pant received Youth Scientist Award	03 - 03
	1.4 Prof. Charu C. Pant received Hindustan Seva Samaan	03 - 03
2.	**Main Activities**	
	2.1 National Seminar by Hindi Department	04 - 04
	2.2 National Seminar on "Migration from Indian Himalayan Region : Challenges and Strategies"	05 - 06
3.	Conferences/ Seminar/ Workshop Conducted	07 - 07
4.	Publications	08 - 08
5.	Conference/ Seminars/ Workshop Attended	09 - 09
6.	Invited Lecture Delivered	10 - 10
7.	Project Awarded	10 - 10
8.	Extra Curricular Activities	11 - 11
9.	News Gallery	12 - 16

1. Major Achievements/Awards

1.1 15th Convocation of Kumaun University: Chairman of Censor Board for Film Certification (CBFC) Mr. Prasoon Joshi Conferred Honorary Degree by Kumaun University

Chairman of Censor Board for Film Certification (CBFC) Mr. Prasoon Joshi was conferred an honorary degree by the Kumaun University at the 15th convocation here. Mr. Prasoon Joshi was conferred the honorary degree by Hon. Governor Ms. Baby Rani Maurya at the ceremony which was held at Dev Singh Bisht College, Nainital.

Chief guest on the occasion, Hon. Governor Baby Rani Maurya urged students to dedicate their education and research for the be betterment of lives in the hills. She said "I hope that all of you will be contributing towards the betterment of our society and nation." Prasoon Joshi, chairman of Censor Board for Film Certification (CBFC) on Wednesday said that he is indebted to Uttarakhand's culture and languages for his writings. Around 158 students were also awarded doctorate degrees in the convocation ceremony held in Nainital.

कुमाऊं विवि का 15वां दीक्षांत समारोह

उद्योगों के अनुसार पाठ्यक्रम हों तो रुकेगा पलायन : बेबी रानी

प्रख्यात गीतकार प्रसून जोशी डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

अमर उजाला ब्यूरो

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय का 15वां दीक्षांत समारोह बुधवार को डीएसबी परिसर के एएन सिंह सभागार में आयोजित किया गया। इसमें राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष एवं प्रख्यात गीतकार प्रसून जोशी को डॉक्टरेट की मानद उपाधि और 22,177 विद्यार्थियों को पीएचडी, डी. लिट, स्नातक और परास्नातक की डिग्रियां प्रदान कीं।

इस मौके पर उन्होंने पलायन को अपने भाषण का केंद्र बिंदु रखते हुए कहा कि राज्य के विश्वविद्यालयों में क्षेत्र के उद्योगों के अनुसार पाठ्यक्रम संचालित किए जाने की जरूरत है। इससे उद्योगों को दक्ष मानव संसाधन मिलने के साथ ही यहां के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे। इससे राज्य से होने वाले पलायन पर भी रोक लग सकेगी। राज्यपाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने देश के बीस संस्थानों को इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेन्स का दर्जा देने का निर्णय लिया है। कहा कि कुमाऊं विश्वविद्यालय को केंद्र की इस सूची में स्थान पाने का प्रयास करना चाहिए। राज्यपाल बेबी रानी मौर्य ने राज्य के जल संकट पर भी चिंता जताई। कहा कि राज्य में पानी के कई स्रोत हैं जिनको संरक्षण की आवश्यकता है। दीक्षांत समारोह के माध्यम से राज्यपाल ने राज्य के युवाओं से जल संरक्षण और पलायन रोकने पर काम करने की अपील की। >> 22,177 विद्यार्थियों को पीएचडी, डी लिट और स्नातक की डिग्री : पेज 3 पर

दीक्षांत समारोह में प्रसून जोशी को डॉक्टरेट मानद उपाधि से अलंकृत करतीं कुलाधिपति बेबी रानी मौर्य।

उत्तराखंड से सीख लें दूसरे राज्य : प्रसून

सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष ने दिया संदेश -भटके पुरुषों को महिलाएं ला सकती हैं लाइन पर

नैनीताल। प्रसिद्ध गीतकार और सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने कुमाऊं विवि के 15वें दीक्षांत समारोह के दौरान अपने संबोधन में कहा कि उत्तराखंड में महिलाओं ने सफलता की अनोखी इबारत लिखी है। यहां महिलाएं पढ़ी-लिखी और आत्मनिर्भर हैं। दूसरे प्रदेशों और विश्व के कुछ हिस्सों को उत्तराखंड से महिला सशक्तीकरण पर सीख लेने की जरूरत है। जिस तरह की शक्तिशाली और जुझारू महिलाएं प्रदेश में देखने को मिलती हैं वैसी महिलाएं कहीं भी नहीं देखी जातीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की महिलाएं ही भटके पुरुषों को रास्ते पर ला सकती हैं।

उन्होंने महिलाओं पर कविता सुनाते हुए कहा कि सने हाथ माटी की खुशबू लिए, रची धूप माथे पर बूंदे लिए, जाने कितने बाजू तू बांहों में लिए, कितनी राहत तू अपनी छाहों में लिए। कहा पहाड़ का आदमी निश्छल और विनम्र होता है। जब यहां का व्यक्ति निकल कर बड़े शहरों में पहुंचता है तो उसे छल का पता चलता है। सम्मान को उन्होंने भावनाओं से कुविवि की ओर से दिए गए जुड़ा सम्मान बताया।

गीतकार प्रसून जोशी।

महिलाओं का सच्चा साथी बनेगा अपराजिता अभियान

नैनीताल। सेंसर बोर्ड अध्यक्ष पद्मश्री प्रसून जोशी ने अमर उजाला के अपराजिता अभियान का पोस्टर जारी करते हुए इसे सकारात्मक और महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि देश में विभिन्न क्षेत्रों में महिलाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं और अपनी क्षमताओं से अचंभित कर रही हैं लेकिन अभी भी अधिसंख्य आबादी ऐसी है जिसे अपनी क्षमता साबित करने को उचित सहयोग और मंच चाहिए। उन्होंने कहा कि अपराजिता अभियान इस कमी को पूरा करने में सहायक होगा और महिलाओं का सच्चा साथी बनेगा। अपराजिता इसके लिए सही मंच और विकल्प है।

सुर्खियां बटोरने को डाला जाता है फिल्म को विवाद में

नैनीताल। सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसिद्ध गीतकार प्रसून जोशी ने सरोवर नगरी में कहा कि जरूरी नहीं है कि हर बार फिल्म को लेकर उपजा विवाद सही और सच ही हो। कई बार फिल्म को सुर्खियों में लाने और मार्केटिंग के लिए विवादों में डाला जाता है। अब वक्त आ गया है कि जनता भी समझने लगे कि किस फिल्म को लेकर वाकई विवाद है और किस विवाद को सिर्फ पब्लिसिटी के लिए जन्म दिया गया है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि गोविंद नहलानी की फिल्म को सेंसर बोर्ड ए प्रमाण पत्र के साथ पास करने पर सहमत था, लेकिन इस पर वह तैयार नहीं हुए। ऐसे में फिल्म को पास नहीं किया जा सका और वह कोर्ट में चले गए। उन्होंने कहा कि मेरठ, दिल्ली और मुंबई में रहने के दौरान भी वह उत्तराखंड और कुमाऊं से जुड़े रहे। उन्होंने कई गानों में कुमाऊंनी शब्दों का प्रयोग किया। तारे जमीं पर फिल्म में एक गाने में उन्होंने झम शब्द का प्रयोग किया है। मुंबई में आज भी तमाम लोग उस शब्द को छम गाते हैं। जब वह अल्मोड़ा में थे तो उनके घर में हिंदी गाने सुने भी नहीं जाते थे। जोशी ने कहा कि युवाओं को जोश के साथ-साथ धैर्य रखने की भी जरूरत है। सफलता का मतलब सिर्फ पैसा कमाना और ख्याति अर्जित करना ही नहीं है। परिवार को सफलतापूर्वक संभालने वाला भी कामयाब व्यक्ति माना जाता है। ब्यूरो

खाद्य सुरक्षा अधिकारी ने भी की पीएचडी

बागेश्वर के खाद्य सुरक्षा अधिकारी डॉ. प्रकाश फुलारा ने रिलेटिविस्टिक मॉडिल्स फॉर इक्विलिब्रिअम एंड डाइनामिकल स्टैलर स्ट्रक्चर विषय पर शोध कार्य पूरा कर पीएचडी की उपाधि ग्रहण की। उनके शोध पत्रों का प्रकाशन कई अंतरराष्ट्रीय जनर्लस में हो चुका है। वे रसायन, भौतिक विज्ञान और गणित से एमएससी, नेट, आईआईटी गेट कर चुके हैं। ब्यूरो

दिव्यांग दीपक मेहता ने लोक गीतों पर किया शोध

दिव्यांग दीपक मेहता ने हिंदी में शोध कार्य किया। उनका विषय उत्तराखंड के लोक गीतों का साहित्य एवं सांस्कृतिक आयाम रहा। वे राजकीय प्राथमिक स्कूल चौखुटिया में तैनात हैं और रंगमंच के साथ भी जुड़े हुए हैं। ब्यूरो

1.2 Mr. Anubhav Mehra has received the Gold Medal from Hon'ble Governor of Uttarakhand in 15th convocation in M.Sc. Computer Science Programme in Kumaun University.

1.3 Ms. Prabha Pant, Research Scholar of Botany Department, D.S.B. Campus, Kumaun University received "Youth Scientist Award" in International Seminar organized by Agarkar Research Institute, Pune.

amarujala.com

नैनीताल | सोमवार, 26 नवंबर 2018

प्रभा को मिला युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

शोधार्थी छात्रा प्रभा पंत को सम्मानित करते अतिथि।

नैनीताल। कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर में वनस्पति विज्ञान की शोधार्थी प्रभा पंत को पुणे के अगरकर रिसर्च इंस्टीट्यूट में युवा वैज्ञानिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बीते दिनों आयोजित अंतरराष्ट्रीय सेमिनार से लौटीं शोधार्थी प्रभा पंत ने बताया कि उन्होंने सेमिनार में रोल ऑफ रूट फॉस्फेट सॉन्युबिलाइजेशन को लेकर शोध पत्र प्रस्तुत किया था, जिस पर उन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रभा पंत वनस्पति विज्ञान के प्राध्यापक प्रो. एससी सती के निर्देशन में शोध कार्य कर रहीं हैं। कुलपति प्रो. डीके नौड़ियाल, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, विभागाध्यक्ष प्रो. नीरजा पांडे, कूटा अध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने बधाई दी है। ब्यूरो

1.4 Prof. Charu C. Pant, Department of Geology, DSB Campus Nainital, awarded "Hindustan Seva Samaan" by Hindustan News Paper for commendable work in academic field.

2. Main Activities

2.1 National Seminar by Hindi Department on "Hindi Bhaktikavya Ke Samajik Sarokar"

National Seminar on "Hindi Bhaktikavya Ke Samajik Sarokar" was organized by Hindi Department and Mahadevi Verma Srajan Peeth at "The Hermitage", Kumaun University, Nainital on 30th Nov. to 1st Dec. 2018. The Chairperson was Vice-chancellor Kumaun University Prof. D. K. Nauriyal and Dean, Hindi Department, Delhi University Prof. Gopeswar Singh was keynote speaker. Prominent academicians like Prof. Rajnarayan Shukl, Prof. Dev Singh Pokharia, Prof. Manvendra Pathak expressed their views and concerns regarding the central theme.

मंथन कुमाऊं विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वावधान में हिंदी भक्तिकाव्य के सामाजिक सरोकार विषयक संगोष्ठी शुरू

भक्ति आंदोलन का उद्देश्य था समाज को पिरोना

- भाषा संस्थान व महादेवी वर्मा सृजन पीठ के तत्वावधान में हुआ कार्यक्रम
- दूसरे सत्र में करीब दो दर्जन शोध पत्रों को पढ़ा गया

जासं, नैनीताल : कुमाऊं विवि हिंदी विभाग की ओर से हिंदी भक्तिकाव्य के सामाजिक सरोकार विषयक संगोष्ठी शुरू हो गई है। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता दिल्ली विवि में हिंदी के डीन प्रो. गोपेश्वर सिंह ने कहा कि भाषाएं भले ही अलग-अलग हों, लेकिन भक्ति साहित्य का उद्देश्य एक ही था कि समाज को भी एक सूत्र में पिरोया जाए।

बुधवार को उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान व महादेवी सृजन पीठ रामगढ़ के सहयोग से आयोजित संगोष्ठी का शुभारंभ कुलपति प्रो. डीके नौडियाल, मुख्य वक्ता प्रो. गोपेश्वर सिंह, भाषा संस्थान के अध्यक्ष प्रो. राजनारायण शुक्ल, महादेवी सृजन पीठ निदेशक प्रो. देव सिंह पोखरिया, विभागाध्यक्ष प्रो. मानवेंद्र पाठक ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। मुख्य वक्ता प्रो. सिंह ने अपने संबोधन में गांधी के आंदोलन ने कैसे प्रभावित किया? राम-सीता, लक्ष्मण ने कैसा आदर्श स्थापित किया? आदि पर विस्तार से प्रकाश डाला। अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति प्रो. नौडियाल ने अखंड भारत की संकल्पना को भक्तिकालीन आंदोलन से जोड़ा। दूसरे सत्र में एक दर्जन शोध पत्र पढ़े गए। शाम को संगीत विभाग के डॉ. रवि जोशी, नलिन ढोलकिया, मधुप मुद्गल, मुकुल सिंह, सिद्धांत नेगी द्वारा तुलसी, कबीर, नानक, सूर के पदों का गायन कर उपस्थित लोगों को भावविभोर कर दिया। संयोजक प्रो. पाठक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. नीरजा टंडन ने धन्यवाद ज्ञापित किया जबकि संचालन प्रो. चंद्रकला रावत ने किया। इस अवसर पर प्रो. गंगा ब्रिष्ट, प्रो. शिरीष कुमार मौर्य, डॉ. शुभा मटियानी, प्रो. निर्मला ढैला बोरा, डॉ. शशि पांडे, डॉ. उमा भट्ट, प्रो. मधु नयाल, डॉ. तेजपाल सिंह, डॉ. माया गोला, प्रो. सावित्री कैड़ा जंतवाल, प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो. बीएल साह, प्रो. मधुरेंद्र कुमार मौजूद रहे।

नैनीताल में कुमाऊं विवि हिंदी विभाग की संगोष्ठी में मौजूद प्राध्यापक व शोधार्थी ● जागरण

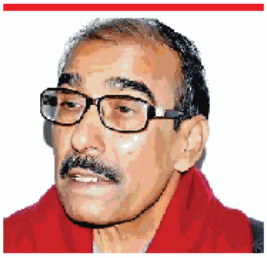

दिल्ली विवि के डीन प्रो. गोपेश्वर सिंह ●

2.2 National Seminar on "Migration from Indian Himalayan Region : Challenges and Strategies"

The Department of Commerce, Kumaun University and HERDS organized a seminar on "Migration from Indian Himalayan Region : Challenges and Strategies" at IPSDR on November 19 and 20, 2018. The Chairperson was Dr. S. S. Negi and Prof. Atul Joshi was organizing secretary. Prominent academicians like Prof. Ajay Rawat, Prof. N. S. Bisht, Dr. S. S. Yadav expressed their views and concerns regarding migration. On this occasion a book on the central theme was also released by the Chairman, Migration Commission Uttrakhand Dr. S. S. Negi.

हिमालयी क्षेत्र से पलायन की चुनौतियों के मंथन में जुटे विशेषज्ञ, हिमालयी क्षेत्रों से पलायन पर लिखी गई पुस्तक का विमोचन

हिमालय की पारिस्थितिकी को बचाने वाले समुदायों का विकास जरूरी

सेमीनार

नैनीताल | हमारे संवाददाता

नैनीताल स्थित कुमाऊं विवि के हरमिटेज भवन में सोमवार से सेमीनार के दौरान पुस्तक का विमोचन किया गया।

पहाड़ के युवाओं को नौकरी देने लायक बनाने की जरूरत

नैनीताल। उत्तराखंड पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. शरद सिंह नेगी ने कहा कि एकजुट होकर ही राज्य के पहाड़ी क्षेत्रों से पलायन रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज भी सुविधाओं के अभाव में युवा पहाड़ से पलायन कर रहा है। राज्य में अल्मोड़ा तथा पौड़ी जिले पलायन की समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं। कहा कि पहाड़ के युवाओं को उद्योग लगाने की राह दिखाकर नौकरी करने के बजाय नौकरी देने लायक बनाना होगा। सोमवार को कुमाऊं विवि के हरमिटेज भवन में आयोजित सेमीनार में बतौर मुख्य अतिथि पहुंचे डॉ. नेगी ने यहां पत्रकारों से वार्ता में कहा कि पलायन आयोग उत्तराखंड की 7 हजार 900 ग्राम पंचायतों में सर्वे कर रहा है।

कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर स्थित वाणिज्य विभाग तथा इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड डेवलपमेंट रिसर्च की ओर से हिमालयन एजुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी के सहयोग पर दो दिवसीय सेमीनार शुरू हो गया है। हरमिटेज भवन में भारतीय हिमालय क्षेत्र से पलायनः चुनौतियां तथा समाधान विषय पर हुए सेमीनार का उद्घाटन मुख्य अतिथि उत्तराखंड पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. शरद सिंह नेगी ने किया। यहां आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न स्थानों से पहुंचे विशेषज्ञों ने हिमालयी क्षेत्र से पलायन के कारण तथा इससे निपटने के लिए सुझाव रखे। इससे पूर्व आयोजक प्रो. अतुल जोशी ने अतिथियों का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि हिमालय में जीवन और जीविका बची रहे इसके लिए जागरूक होना होगा। पारिस्थिति को संरक्षित तथा सुरक्षित रखने वाले समुदायों के समुचित विकास की जरूरत है। वित्तीय और आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की आवश्यकता है। इस दौरान पलायन पर 40 शोध पत्रों को शामिल कर लिखी गई किताब का विमोचन भी किया गया। इस मौके पर प्रो. एनएस बिष्ट, प्रो. सीएम जोशी, प्रो. बीपी सिंघल, प्रो. इंदु पाठक, प्रो. बीडी कविदयाल, प्रो. केसी जोशी, डॉ. कमल जोशी, डॉ. एमसी पांडे, डॉ. एएस नयाल आदि मौजूद रहे।

पलायन आयोग संवारेगा हर जिले के 30 गांवों की आर्थिकी

- आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. शरद सिंह नेगी से बातचीत
- 40 फीसद पलायन सड़क किनारे, दस फीसद स्थाई पर लगाना होगा अंकुश

जासं, नैनीताल : राज्य की अर्थव्यवस्था का सर्विस सेक्टर का हिस्सा 50 फीसद पहुंच गया है, जबकि कृषि पर निर्भरता सिर्फ दस फीसद रह गई है, जबकि राष्ट्रीय औसत 15 फीसद है। पलायन आयोग ने पौड़ी गढ़वाल के 30 गांवों की आर्थिकी संवारने के लिए रिपोर्ट तैयार कर दी है, जबकि अल्मोड़ा में भी जल्द रिपोर्ट तैयार करने का काम शुरू किया जाएगा। हर जिले में आयोग की ओर से 30 गांवों का चयन कर आर्थिकी संवारने का रोडमैप तैयार कर उसके क्रियान्वयन की सिफारिश सरकार से की जाएगी।

सोमवार को कुमाऊं विवि के हरमिटेज भवन में राज्य पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. शरद सिंह नेगी ने जागरण से भेंट वार्ता में बताया कि पर्वतीय क्षेत्र में 40 फीसद पलायन गांव से जिले या सड़क किनारे हो रहा है। आयोग का लक्ष्य मजबूरी में पलायन कर रहे लोगों को रोकने के साथ ही उन्हें आर्थिक स्थिति सुधारने के लिए संसाधन मुहैया कराने का रास्ता तैयार कर सरकार को सुझाव देना है। उन्होंने कहा कि अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों में शिक्षा के लिए भी पलायन हो रहा है। आयोग के सुझाव पर सरकार द्वारा ईको टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने माना कि पहाड़ के अधिकांश जिलों में लोग अब खेती को तैयार नहीं हैं, लेकिन कतिपय जिलों में नेपाली उन्हीं स्थानों पर फल सब्जी उगा रहे हैं। उन्होंने परंपरागत बीज खत्म होने पर चिंता जताते हुए कहा कि राज्य में प्रतिव्यक्ति मासिक आय पांच हजार को बढ़ाकर आठ-दस हजार करने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर कुमाऊं विवि के प्रो. अतुल आदि थे।

पहाड़ों से पलायन को रोकना जरूरी

नैनीताल में सोमवार को पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. नेगी व अन्य ने किताब का विमोचन किया ● जागरण

जासं, नैनीताल : कुमाऊं विवि के आइपीएसडीआर रोजगारोन्मुख संस्थान की ओर से हिमालयी क्षेत्र में पलायन को लेकर सेमिनार शुरू हो गया है। इस मौके पर हिमालयी राज्यों में बढ़ते पलायन पर चिंता जताई गई। साथ ही पलायन जैसी समस्या के समाधान तलाशने पर जोर दिया गया।

सोमवार को कुमाऊं विवि के हरमिटेज भवन में आयोजित सेमिनार का शुभारंभ मुख्य अतिथि पलायन आयोग उपाध्यक्ष डॉ. एसएस नेगी, विशिष्ट अतिथि इतिहासकार प्रो. अजय रावत, प्रो. एसएस यादव, प्रो. एनएस बिष्ट, परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, आयोजक सचिव प्रो. अतुल जोशी, कन्वीनर प्रो. बीपी सिंघल, डॉ. शरवनी पांडे ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। अपने संबोधन में आयोग उपाध्यक्ष डॉ. जोशी ने पलायन को बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि अब छात्रों को स्वरोजगार अपनाकर पलायन जैसी चुनौती से पार पाना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की ओर से तकनीकी व आर्थिक मदद दिलाई जाएगी। आयोजक सचिव प्रो. अतुल जोशी ने 12वीं तक की शिक्षा सरकारी स्कूलों में ग्रहण करने वालों को आरक्षण देने की पैरवी की। इस सुझाव को लेकर विशेषज्ञों ने भी सहमति बताई। इस अवसर पर प्रो. पदम एस बिष्ट, प्रो. केसी जोशी, डॉ. एमसी पांडे, डॉ. सुरेश डालाकोटी, प्रो. आरएस जलाल, प्रो. सावित्री जंतवाल, प्रो. नीता बोरा शर्मा, प्रो. लता पांडे, प्रो. बीडी कविदयाल, प्रो. पीसी कविदयाल, प्रो. एलएस बिष्ट समेत अन्य मौजूद थे। संचालन प्रो. इंदु पाठक ने किया।

पलायन को रोकने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार बढ़ाने की जरुरत: नेगी

नैनीताल में भारतीय हिमालयी क्षेत्र से पलायन: चुनौतियां और समाधान विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरु

नैनीताल। कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर, इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज एंड डेवलमेंट रिसर्च के संयुक्त तत्वावधान तथा हिमालयन एजूकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसाइटी उत्तराखंड के सहयोग से नैनीताल के द हरमिटेज के एचआरडीसी सभागार में सोमवार से भारतीय हिमालयी क्षेत्र से पलायन: चुनौतियां और समाधान विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरु हो गई है। मुख्य अतिथि उत्तराखंड पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डा.शरद सिंह नेगी ने कहा कि न केवल देवभूमि उत्तराखंड अपितु विश्व के सभी देशों में पलायन की समस्या समान्य बात है। कहा कि पलायन की समस्या से निपटने के लिए हमें विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। कहा कि सामूहिक प्रयासों से भी पलायन की समस्या से निजात मिल सकती है।

नेगी ने दावा किया कि उत्तराखंड में 7900 ग्राम पंचायतें हैं लेकिन इन सभी ग्राम पंचायतें पलायन की समस्या से दायरे में नहीं हैं। कहा कि वास्तव में उत्तराखंड के कई गांवों में वहां के लोगों की ओर से शहरों की ओर से पलायन करने की वजह से गांव के घरों में जरुर ताले लग गए हैं लेकिन ऐसे गांवों की संख्या अधिक नहीं है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में जिस तरीके से कुमाऊं विवि के आईपीएसडीआर विभाग की ओर से एनसीआरआई हैदराबाद की मदद से छात्र-छात्राओं को ग्रामीण विकास से जोड़ने के लिए जो बीड़ा उठाया जा रहा है वह वाकई पलायन की समस्या से निजात दिलाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के 13 जिलों में से हरिद्वार, देहरादून व ऊधमसिंह नगर को अगर छोड़ दिया जाए तो बाकी के दस जिलों में जिस तेजी से विकास होना चाहिए था वह नहीं हो पाया है। कहा कि इन जिलों में विकास के मुद्दे को लेकर प्रदेश सरकार गंभीर है। संगोष्ठी के आयोजक सचिव व वाणिज्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.अतुल जोशी ने संगोष्ठी में मौजूद मुख्य अतिथि समेत सभी अतिथियों, प्रतिभागियों, गुरुजनों,शोधार्थियों व छात्र-छात्राओं का स्वागत किया।

प्रो.जोशी ने कहा कि संगोष्ठी का विषय बिल्कुल ज्वलंत इसलिए रखा गया है कि पलायन की वजह से ही लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि पलायन न केवल हिमालयी क्षेत्र की अपितु पूरे देश की समस्या है। कहा कि भारतीय हिमालयी क्षेत्र देश का मुकुट ही नहीं बल्कि आत्यातमिक ऊर्जा का केंद्र है। उन्होंने इस बात को लेकर गंभीर चिंता जताई कि अलग उत्तराखंड राज्य के गठन के पीछे भी यहां के लोगों की मंशा भी यही थी कि राज्य बनने के बाद पलायन की समस्या दूर होगी लेकिन समस्या दूर होने के बजाए और बढ़ रही है। जोशी ने कहा कि केंद्र सरकार को चाहिए कि उत्तराखंड राज्य में बढ़ती जा रही पलायन की समस्या को रोकने के लिए ठोस नीति बनाए। अपने संबोधन में पर्यावरणविद् तथा डीएसबी परिसर के इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.अजय सिंह रावत ने कहा कि उत्तराखंड गंगा-यमुना की संस्कृति का उद्गम स्थल है। प्रो.रावत ने कहा कि वास्तव में पलायन का मुद्दा अपने आप में गंभीर मुद्दा है। कहा कि उत्तराखंड की सीमा पर सठे गांवों में प्रदेश सरकार की ओर से होम स्टे योजना को बढ़ावा दिया जा रहा है इससे भी काफी हद तक पलायन पर रोक लगी है। कहा कि इसी तरह से पहाड़ के अन्य गांवों में भी होम स्टे योजना का लाभ अगर ग्रामीण उठाना चाहे तो इससे जरुर गांवों से शहरों की ओर को होना वाला पलायन रुकेगा। डीएसबी परिसर के निदेशक प्रो.एलएम जोशी ने कहा कि वर्तमान परिपेक्ष्य में संगोष्ठी का विषय काफी महत्वपूर्ण है। विश्वास जताया कि दो दिवसीय संगोष्ठी में पलायन को रोकने के लिए कई ठोस विचार सामने आएंगे।

संगोष्ठी में एनसीआरआई हैदराबाद की वरिष्ठ परामर्शदात्री डा.सर्वानी पांडे ने कहा कि एनसीआरआई की ओर से कुमाऊं विवि के आईपीएसडीआर के छात्रों को ग्रामीण विकास को लेकर जो पाठ्यक्रम चलाया जा रहा है इस पाठ्यक्रम का लाभ जरुर छात्रों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों को स्व:रोजगारपरक बनाने के लिए यह पाठ्यक्रम मील का पत्थर साबित होगा। वाणिज्य विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो.एनएस बिष्ट ने 25 अगस्त 2017 को गठित उत्तराखंड पलायन आयोग की स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कहा कि पलायन प्रक्रिया है जो सभ्यता के विकास के साथ चली है। उन्होंने पलायन को रोकने के लिए कई टिप्स दिए। अंत में संगोष्ठी के संयोजक व वाणिज्य विभाग के संयोजक प्रो.वीपी सिंघल ने सभी का आभार जताया। संगोष्ठी के दौरान संगोष्ठी के आयोजक सचिव प्रो.अतुल जोशी के संयोजकत्व में पलायन को लेकर रचित एक पुस्तक का विमोचन भी अतिथियों ने किया। संचालन डीएसबी परिसर की समाजशास्त्र विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका प्रो.इंदु पाठक ने किया।

इस मौके पर प्रो.टीडी जोशी, प्रो.गंगा बिष्ट, प्रो.एमसी पांडे, प्रो.बीडी कविदयाल, प्रो.एलएस बिष्ट, प्रो.कमल जोशी, प्रो.एसएस यादव, प्रो.एएस उनियाल, प्रो.नीता बोरा शर्मा, डा.रितेश साह समेत देशभर के कई विवि व डिग्री कालेजों के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र-छात्राएं मौजूद थी।

सरकारी स्कूलों में बढ़ने वाले बच्चों को मिले सरकारी नौकरियों में आरक्षण

नैनीताल। संगोष्ठी के मुख्य आयोजक सचिव प्रो.अतुल जोशी ने कहा कि राज्य बनने के बाद जिस गति से लोगों विशेषकर युवाओं का पलायन ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों की ओर हो रहा है वह चिंतनीय है। कहा कि उसकी एक वजह वर्तमान सरकारी प्रणाली भी है। वर्तमान में एक एक परिवार अपने बच्चों को गांवों के सरकारी स्कूलों में पढ़ाने के बजाए नगरों के पब्लिक स्कूलों में पढ़ाना चाहता है जिसकी वजह से वह परिवार गांव छोड़कर शहरों की ओर पलायन कर रहा है। कहा कि अगर सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण की सुविधा दे तो इससे भी काफी हद तक पलायन की समस्या पर ब्रेक लगेगा। उन्होंने संगोष्ठी के मुख्य अतिथि व उत्तराखंड सरकार के पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डा.शरद सिंह नेगी से इस गंभीर मुद्दे पर सीएम से वार्ता कर इसमें सकारात्मक पहल करने की मांग की।

3. Seminar/ Workshop Conducted

3.1 Kumaun University, Nainital and Newkeshal University, Britain organized an International Workshop with cooperation of CHIRAG on Management of Natural Resources on 17th Nov. 2018. The keynote speaker Dr. Nathan Foresty from Newkeshal University, Britain expressed their views on climate change.

अमर उजाला नैनीताल | रविवार, 18 नवंबर 2018 8

सफल प्रयोगों से रामगढ़ में होगा जल संवर्धन

प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विषय पर हुई कार्यशाला

अमर उजाला ब्यूरो

नैनीताल। एचआरडीसी सभागार में शनिवार को रामगढ़ विकासखंड में सूखा प्रभाव आकलन, अनुकूलित प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विषय पर एक दिनी कार्यशाला का आयोजन किया। यह कार्यशाला कुमाऊं विश्वविद्यालय, न्यूकेशल विश्वविद्यालय ब्रिटेन, चिराग संस्था की ओर से आयोजित की गई। इसमें जलवायु परिवर्तन के खेती, वन, बागवानी पर पड़ रहे प्रभावों को लेकर मंथन किया गया।

न्यूकेशल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. नाथन फॉरस्टी ने वैश्विक स्तर पर जल संवर्धन को लेकर कई प्रयोग किए गए हैं, जो सफल भी हुए हैं। उन्होंने ऐसी सफल तकनीकों का प्रयोग रामगढ़ विकास खंड में करने का भरोसा दिलाया।

कार्यशाला में विशेषज्ञों, वन विभाग, जल संस्थान, कृषि विभाग के अधिकारियों, रामगढ़ क्षेत्र के ग्रामीणों ने प्रतिभाग किया। ग्रामीणों का कहना था कि जलवायु परिवर्तन के कारण पानी की कमी हो रही है, जिस कारण खेती काफी प्रभावित हुई है।

भूगोल विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. पीसी तिवारी ने कार्यशाला का परिचय, विभाग की ओर से संचालित की गई परियोजनाओं के विषय में बताया। इस दौरान डॉ. भगवती जोशी, डॉ. बद्रीश सिंह मेहरा, डॉ. मेगडा, ब्लॉक प्रमुख रामगढ़ पुष्पा नेगी, संतोष उपाध्याय, केवलानंद, धीरज पंत, पूजा नैनवाल आदि मौजूद रहे।

कार्यशाला को संबोधित करते विशेषज्ञ।

3.2 Mr. P.C. Chanyal, Department of Geography, DSB Campus Nainital, conducted two courses Under IIRS-ISRO Outreach Program at the Department.

1) 04 Sep. - 22 Nov. 2018 : Basis of Remote Sensing, Geog. Information system & Global Navigation satellite system.

2) 29 Oct. – 22 Nov. 2018 : RS & GIS Applications.

3.3 Prof. S.P.S. Bisht, Department of Zoology, DSB Campus Nainital conducted 01 Fold scope Seminar in Pithoraghar.

4. Publications

4.1 “Uttarakhand Geo-Geoportal for Decentralized Governance” by J. S. Rawat and R. Dobhal, Springer Nature Singapur, Pte Ltd 2018, N.L.Sharada et al (eds), Geospatial infrastructure, Applications and Technologies: Indian Case Studies, https://dio.org/10.1007/ 978-981-13-2330-0_6.

4.2 “Art and Application of Mediums and Techniques for Drawings" by Prof. Shekhar Chandra Joshi; International Refereed e-Journal on Literary Explorations, (ISSN: 2320-6101), Vol. 6 Issue IV, November 2018. (Accepted).

4.3 “Monitoring Groundwater Storage over India During Indian Summer Monsoon (ISM) and Northeast (NE) Monsoon Systems using GRACE Satellite and GLDAS Data: Impact on Agriculture” by A. K. Singh, Jayant Nath Tripathi, B. S. Kotlia, Kamalesh Singh, Amit Kumar; Quaternary International. https://doi.org/10.1016/ j.quaint.2018. 10.036

4.4 “Crustal Deformation and Geodetic Strain in the Vicinity of Harappan (Dholavira) Civilization in the Western Part of the Indian plate” by Rakesh K. Dumka, B. S. Kotlia, D. Suri Babu, Pratishtha Narain and Sandip Prajapati; Quaternary International. https://doi.org/10.1016/j.quaint.2018.10.035.

4.5 “Formation of Palaeolakes, their Geomorphic Evolution and Closure Leaving Behind Imprints of Civilization in the Zone of Main Central Thrust (MCT), Garhwal Himalaya (India)” by L. M. Joshi and B. S. Kotlia. Quaternary International (last review).

4.6 “Evidences of Neotectonic Activity along Goriganga River, Higher Central Kumaun Himalaya, India” by G. C. Kothyari, B. S. Kotlia and Riyanka Talukdar. Geomorphology (first review).

5. Seminars/ Workshop Attended

5.1 Prof J. S. Rawat, National Geospatial Chair Professor. Department of Geography attended 30th National Conference of Indian Institute of Geomorphologists at Department of Geography, Jamia Milia University, New Delhi on 5th November, 2018.

5.2 Prof J. S. Rawat, National Geospatial Chair Professor, Department of Geography attended Workshop on "Application of GIS in Development of Tourism" organized jointly by the Tourism Department and District Administration Almora at the Vikash Bhawan Almora Administration on November, 2018.

5.3 Prof. Santosh Kumar, Department of Geology, DSB Campus Nainital, participated in BHU court meeting on 26th November 2018 as visitor's nominee.

5.4 Ms. Parul Saxena, presented a paper, "Impact of Age on Speech Recognition Ability of Blue Hearing System Users: A Case Study" in a National Conference on "Fractional Calculus, Special Functions and their Applications in Computer Science" since 10th to 12th November 2018 organized by Ramanujan Society of Mathematics and Mathematical Sciences at Department of Mathematics, T.D.P.G. College, Jaunpur, U.P.

5.5 Prof. R. K. Pande, Department of Geography, DSB Campus Nainital, presented a paper in UGIT Conference in Colombo, Sri Lanka.

5.6 Prof. H. C. Chandola, Department of Physics, D.S.B. Campus, Nainital and one research scholar Mr. D. S. Rawat participated in an International Conference on QFT at BHU, Varanasi (Nov 20-29, 2018).

5.7 Dr. Ramesh Chandra, Department of Physics, D.S.B. Campus, Nainital attended a conference on "Exploring the University Near Earth Space Science Extragalactic Astronomy" at SN Bose National Centre of Bose Science during 14-17 Nov. 2018.

6. Invited Lecture Delivered

6.1 Dr. Arshad Hussain, Department of Law Department, S.S.J.Campus, Almora, delivered lectures on Muslim Personal Law at UJALA, Bhawali.

6.2 To commemorate the centenary of the local nationalistic Hindi newspaper SHAKTI, a lecture was organized on 15th November. In his lecture titled "SHAKTI KE SAU VARSHA", Prof Anil Joshi gave a detailed account of the newspaper and it's incalculable role in the freedom struggle as well as social reforms. The contribution of its founder editor Kumaun Kesari Badri Dutt Pande was also highlighted. The lecture was attended by the faculty members and students of other disciplines too.

6.3 Prof. H.C. Chandola, Department of Physics, D.S.B. Campus, Nainital, organised research lecture under SAP (CAS) Programme (27-29 November 2018).

6.4 Prof. Atul Joshi, Director IPSDR delivered a lecture on "Social Entrepreneurship and System Change" at Pal College of Technology and Management, Haldwani.

6.5 Prof. Anil Joshi, Department of History, S.S.J Campus Almora chaired a Technical Session of the Seminar on "Migration from Indian Himalayan Region" on 19th Novemeber organized by IPSDR at Hermitage, Kumaun University, Nainital.

7. Project Awarded

7.1 Prof. S.P.S. Bisht, Department of Zoology, DSB Campus Nainital mobilized project of Rs.31,49996 funded by DBT, New Delhi.

8. Extra Curricular Activities

8.1 Hundred years of the end of the First World War was observed in the Department of History, SSJ Campus, Almora on 14th November which was attended by the faculty and students. In an interactive session the ghastly war and it's far reaching consequences were discussed threadbare.

8.2 Department of Education, Kumaun University, SSJ Campus, Almora, celebrated National Education Day and Cleanliness Drive.

8.3 The National Education Day was celebrated by the Faculty of Education on 12th November, 2018 to commemorate the birth anniversary of the first education minister of independent India, Maulana Abdul Kalam Azad. Students of B.Ed I, M.Ed. III and M.Ed I Semester participated in a debate held on the occasion on the theme of 'Use of Social Media in Education'. Prof. V. R. Dhoundiyal and Dr. Sangeeta Pawar also addressed the students.

8.4 Faculty of Education celebrated the birth anniversary of former Prime-minister Pandit Jawaharlal Nehru on 14th November, 2018. Students of M.Ed III, M.Ed. I and B.Ed I Semester participated in different programmes organized on the occasion. Students remembered the personality and acts of Pt. Nehru and participated in quiz activity and cultural programmes held under the supervision of Prof. V. R. Dhoundiyal and Dr. Sangeeta Pawar.

8.5 Faculty members and students of Education Faculty, SSJ Campus, Almora conducted a cleanliness drive in lower campus on 30th November 2018. The programme covered destruction of harmful weeds and removing poly bags to make the premises polythene-free.

9. News Gallery

पहले गांवों का अध्ययन, फिर खुद स्वावलंबी बनने की पहल

कुविवि के 28 छात्रों ने गोद लिए 28 गांव

नैनीताल। प्रतिस्पर्धा के इस दौर में जहां वर्तमान में सरकारी नौकरियां काफी सीमित रह गई हैं तथा बेरोजगारों को रोजगार के लिए दर-दर भटकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति कुमाऊं विश्वविद्यालय के 28 छात्रों ने कुमाऊं मंडल के 28 गांवों को गोद लेकर जहां पहले खुद उन गांवों का विभिन्न चरणों में सर्वे कर वहां के ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति का मूल्यांकन करने का फैसला लिया है इतना ही नहीं वहां के ग्रामीणों के साथ ही खुद ही स्वालंबी बनने का भी बीड़ा उठाया है।

बात हो रही है कुमाऊं विश्वविद्यालय के आईपीएसडीआर सेंटर में संचालित हो रहे एमबीए ग्रामीण प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम की। यह पाठ्यक्रम मूल रुप से दो वर्ष का है तथा वर्तमान में इस पाठ्यक्रम का लाभ 28 छात्र उठा रहे हैं। बता दें कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की योजना भी है कि देश के युवाओं को अधिक से अधिक ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ा जाए और उन्हें स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया जाए। इसी को ध्यान में रखते हुए नेशनल काउंसिल फार रुरल डबलपमेंट हरिद्वार के प्रायोजकत्व में देश के हर राज्य के एक विवि में प्रारंभिक रुप में महात्मा गांधी ग्रामीण प्रबंधन योजना अध्ययन की शुरुआत की गयी है। खास बात यह है कि इस योजना के तहत उत्तराखंड राज्य में कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल का स्ववित्त पोषित संस्थान आईपीएसडीआर को यह उत्तरदायित्व सौपा गया है। इस सबसे भी अलग हटकर जो महत्वपूर्ण बात है वह यह है कि पूरे भारतवर्ष में इस योजना को शुरु करने वाला कुमाऊं विवि पहला विश्वविद्यालय बन गया है।

दो वर्ष के एमबीए ग्रामीण प्रबंधन एवं उद्यमिता विकास पाठ्यक्रम में अध्यनरत 28 छात्र-छात्राओं ने कुमाऊं मंडल के तीन जिलों के 28 गांवों को गोद लिया है। इसके तहत पिथौरागढ़ जिले के मुनस्यारी, अल्मोड़ा जिले के द्वाराहाट तथा नैनीताल जिले के विजयपुर व खैरना समेत तीनों जिलों के कुल 28 गांव शामिल हैं। आईपीएसडीआर के निदेशक प्रो. अतुल जोशी तथा वरिष्ठ प्राध्यापक डा.प्रदीप जोशी की मानें तो चार सेमेस्टरों के इस पाठ्यक्रम में प्रथम सेमेस्टर में इन गांवों विकास के स्तर और उद्यम का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करनी थी। उन्होंने बताया कि इन सभी छात्र-छात्राओं ने चयनित गांवों में दो सप्ताह रह कर प्रथम चरण में वहां की विकास की स्थिति अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार की जिसके आधार पर उनको प्रथम सेमेस्टर के आंतरिक मूल्यांकन के अंक दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शेष तीन सेमेस्टरों में वह फिर गांवों में सर्वे कर वहां के लोगों से गांवों में परेशानियों को जानने, स्वरोजगार व उद्यम के लिए गांवों के लोगों को प्रेरित करने के साथ ही अंतिम रिपोर्ट करने के बाद स्वयं स्वरोजगार स्थापित करने का प्रयास करेंगे। बताया कि छात्रों की रिपोर्ट से भारत सरकार के एमएचआरडी मंत्रालय के साथ ही राज्य सरकार को अवगत कराया जाएगा। खास बात यह है कि 28 छात्रों में से करीब 20 छात्राएं हैं जबकि शेष 8 छात्र। कुल मिलाकर कुमाऊं विवि के आईपीएसडीआर ने बेरोजगारी के इस दौर में स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए युवाओं को ग्रामीण परिवेश से जोड़ने की जो पहल शुरु की है वह वास्तव में ग्रामीणों के लिए तो एक सकारात्मक पहल है ही साथ ही इस पहल से वह खुद को भी स्वरोजगार से जोड़ने में कामयाबी हासिल कर सकते हैं।

पत्रकारिता के टॉपर को मिलेगा मुरारी लाल माहेश्वरी स्वर्ण पदक

अमर उजाला ब्यूरो

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में संचालित हो रहे पत्रकारिता एवं जनसंचार के डिग्री पाठ्यक्रम के टॉपर को अमर उजाला की ओर से हर साल स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। यह पदक अमर उजाला के संस्थापक स्व. मुरारी लाल माहेश्वरी की स्मृति में दिया जाएगा। पत्रकारिता के टॉपर को पदक देने का निर्णय अमर उजाला और कुमाऊं विवि के बीच सहमति के बाद लिया गया है।

कुलपति प्रो. नौड़ियाल को अमर उजाला स्वर्ण पदक का पत्र सौंपते डॉ. गिरीश रंजन तिवारी। अमर उजाला

अमर उजाला हर साल देगा पदक, कुलपति को सौंपा गया सहमति पत्र, 28 को संगीता रावत को दिया जाएगा पहला पदक

शनिवार को स्वर्ण पदक देने को लेकर सहमति पत्र डॉ. गिरीश रंजन तिवारी ने विवि के कुलपति प्रो. डीके नौड़ियाल को सौंपा। डॉ. तिवारी ने बताया कि सत्र 2017-18 में विभाग की टॉपर रही संगीता रावत को 28 नवंबर को होने वाले विवि के 15वें दीक्षांत समारोह में इस वर्ष का स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। कुलपति प्रो. नौड़ियाल ने अमर उजाला के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि इससे विभाग के विद्यार्थियों को और अधिक बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता विभाग ने हाल ही में डिजिटल लैब की स्थापना कर बेहतरीन कार्य किया है। इस महत्वपूर्ण पदक की अमर उजाला से स्वीकृति मिलने से विभाग का गौरव और महत्व बढ़ेगा।

अमर उजाला | नैनीताल | सोमवार, 26 नवंबर 2018

कुमाऊं विवि : जागेश्वर धाम का प्रतीक होगा स्मृति चिन्ह

अमर उजाला ब्यूरो

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय ने जागेश्वर धाम के प्रतीक को अधिकृत स्मृति चिन्ह के रूप में विश्वविद्यालय के तमाम आयोजनों में अतिथियों को प्रदान करने का फैसला किया है।

कुलपति प्रो.डीके नौड़ियाल ने रविवार को भौतिक विज्ञान सभागार में पत्रकार वार्ता में इस फैसले की आधिकारिक घोषणा की। कुलपति ने बताया कि कुमाऊं के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर के प्रतीक को विश्वविद्यालय के अधिकृत स्मृति चिन्ह के रूप में तलाशा जा रहा था। सभी सदस्यों की ओर से जागेश्वर धाम के प्रतीक को सभी आयोजनों में अतिथियों को दिए जाने पर एक राय बनी। उन्होंने बताया कि धाम के प्रतीक को स्मृति चिन्ह के रूप में अतिथियों को दिए जाने की परंपरा बुधवार को

कुलपति ने की घोषणा 15वें दीक्षांत समारोह से शुरू होगी नई परंपरा

डीएसबी परिसर के एएन सिंह सभागार में होने वाले 15 वें दीक्षांत समारोह से शुरू की जाएगी। इस दौरान कुलसचिव डॉ. महेश कुमार, परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, परीक्षा नियंत्रक प्रो. संजय पंत, डीएसडब्ल्यू प्रो. पीएस बिष्ट, प्रो. सतपाल सिंह बिष्ट, प्रो. एचसीएस बिष्ट, प्रो. ललित तिवारी, डॉ. दिव्या उपाध्याय, डॉ. रितेश साह, डॉ. गिरीश रंजन तिवारी आदि मौजूद रहे।

संगीता रावत को मिला पहला स्व. मुरारी लाल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक

दीक्षांत समारोह में सम्मानित, पत्रकारिता विभाग की हैं टॉपर

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के डीएसबी परिसर में संचालित पत्रकारिता और जनसंचार विभाग की टॉपर को अमर उजाला के संस्थापक स्व. मुरारी लाल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक देकर नई परंपरा की शुरुआत हुई है। परिसर के एएन सिंह सभागार में कुमाऊं विवि के 15वें दीक्षांत समारोह में सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून जोशी ने पत्रकारिता और जनसंचार विभाग में सत्र 2017-18 की टॉपर संगीता रावत को यह पहला पदक देकर सम्मानित किया।

संगीता ने 78.40 फीसदी अंक प्राप्त किए हैं। विवि में पत्रकारिता विभाग के टॉपर को अब हर वर्ष

संगीता रावत।

स्व. मुरारी लाल माहेश्वरी स्मृति स्वर्ण पदक दिया जाएगा। संगीता के पिता उमराव सिंह रावत कलेक्शन अमीन हैं। संगीता पत्रकारिता एवं जनसंचार विषय में शोध करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि उनके भाई पंकज रावत ने 2015 में भू-गर्भ विज्ञान में टॉप किया था, जिसके लिए उन्हें भी कुमाऊं विश्वविद्यालय ने कुलपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया था।

पंकज भू-वैज्ञानिक हैं। कुलपति प्रो. डीके नौड़ियाल, कुलसचिव डॉ. महेश कुमार सहित सभी प्राध्यापकों ने अमर उजाला के इस प्रयास को काफी सराहा। कहा कि इस पहल से पत्रकारिता विभाग के विद्यार्थियों को और परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलेगी। ब्यूरो

अमर उजाला नैनीताल | शुक्रवार, 30 नवंबर 2018 5

भाषाएं अलग, भक्ति साहित्य का उद्देश्य एक : प्रो. गोपेश्वर

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग, उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ, महादेवी वर्मा सृजनपीठ उमागढ़ रामगढ़ के सहयोग से बृहस्पतिवार से हरमिटेज सभागार में दो दिनी राष्ट्रीय संगोष्ठी शुरू हुई। इसका विषयहिंदी भक्तिकाव्य के सामाजिक सरोकार है। दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. गोपेश्वर सिंह संगोष्ठी के मुख्य वक्ता रहे। उन्होंने कहा कि भाषाएं भले ही अलग रही हों लेकिन भक्ति साहित्य का उद्देश्य सत्य ही रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुमाऊं विवि के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार नौड़ियाल ने आज के अखंड भारत की संकल्पना को भक्तिकालीन आंदोलन से जोड़ा। मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान लखनऊ के अध्यक्ष डॉ. राजनारायण शुक्ला ने भक्तिकाल की प्रासंगिकता, मानवमूल्य, भक्ति-आंदोलन को राष्ट्रीय जागरण से जुड़ा आंदोलन बताया। सृजन पीठ के निदेशक प्रो. डीएस पोखरिया ने भक्तिकाल के पुनराख्यान, पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता, प्रासंगिकता, उपयोगिता बताई। कुमाऊं विवि डीएसबी परिसर के हिंदी विभाग के अध्यक्ष, संगोष्ठी के मुख्य संयोजक प्रो. मानवेंद्र पाठक ने अतिथियों का स्वागत किया संगोष्ठी के द्वितीय बौद्धिक सत्र में 10 से अधिक शोध पत्र पढ़े गए। कुमार गंधर्व की शिष्य परंपरा के प्रमुख गायक रवि जोशी ने मनमोहक प्रस्तुति दी। अमित से संपादित, जावेद अली, डॉ. अर्जिता सिंह, शालिनी नागर के सहयोग से लिखी गई पुस्तक मध्यकालीन साहित्य विचार विमर्श का विमोचन भी किया गया। ब्यूरो

नैनीताल में हिन्दी काव्य सेमिनार में बोलते वक्ता।

पहाड़ों से हो रहे पलायन पर मंथन

राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिक्षाविदों ने रखे विचार

नैनीताल। कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर के वाणिज्य विभाग तथा आईपीएसडीआर तथा हिमालयन एजुकेशनल रिसर्च एंड डवलपमेंट सोसायटी के तत्वावधान में एचआरडीसी सभागार में चल रही भारतीय हिमालयन क्षेत्र से पलायन चुनौतियां तथा समाधान विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी मंगलवार को सम्पन्न हो गयी। संगोष्ठी में उत्तराखंड सहित देश के कई हिस्सों से आए विद्वानों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं के गहन चिंतन मंथन के साथ इस संकल्प के साथ सम्पन्न हुआ कि भारतीय हिमालयी राज्यों के संदर्भ में किसी भी प्रकार से संवेदनशील होने के लिए सर्वप्रथम हमें उसमें रहने वाले लोगों के प्रति संवेदनशील होना होगा और हिमालय वासियों के सतत जीवन व जीविका की सुरक्षा करनी होगी। समापन समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. टीडी जोशी ने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में क्षेत्र की समसामायिक समस्याओं पर शोध कार्य कर नीति नियोताओं और सरकार को सुझाव देना आज की उच्च शिक्षा की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है।

संगोष्ठी में 6 तकनीकि सत्र हुए जिसमें हिमालय की भौतिक, आर्थिक, राजनैतिक, वाणिज्यिक, सामाजिक आयामों में चर्चा-परिचर्चा हुई जिसमें कुल 75 शोध पत्र प्रस्तुत किए गए। तकनीकि सत्रों में प्रो. बीडी कविदयाल, प्रो. एलएस बिष्ट, प्रो. अनिल जोशी, डा. एमसी पांडे, डा. एएस उनियाल, डा. कमल जोशी, प्रो. एमएम जिन्नाह ने विचार रखें। समापन से पूर्व आईपीएसडीआर के एमबीए के छात्रों द्वारा अधिग्रहित 28 गांवों की आर्थिक, सामाजिक स्थिति को प्रस्तुत किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. बीडी कविदयाल तथा संचालन डा. प्रदीप जोशी ने किया। इस अवसर पर आईपीएसडीआर के निदेशक प्रो. अतुल जोशी ने मुख्य अतिथि समेत सभी का स्वागत किया। इस मौके पर डा. सारिका जोशी, डा. संजय तिवारी, डा. जीवन उपाध्याय, डा. अब्दुल सामीर, डा. अब्दुल सकीर, डा. मनप्रीत सिंह, डा. गगनप्रीत सिंह, डा. चमन कुमार, डा. वैशाली बिष्ट, डा. विजय, डा. मनोज पांडे, डा. ललित पंत, डा. विनोद जोशी, डा. आस्था अधिकारी व डा. श्रद्धा शर्मा आदि मौजूद थे।

कुविवि के दीक्षांत समारोह की तैयारियां शुरु

नैनीताल। कुविवि के दीक्षांत समारोह का आयोजन 28 नवम्बर को होना है। परीक्षा नियंत्रक ने बताया कि पंचदश दीक्षांत समारोह में विभिन्न पदकों से सम्मानित होने वाले विद्यार्थियों की सूची विवि की बेबसाइट पर अपलोड की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जिस विद्यार्थी को इस सूची के संबंध में आपत्ति हो तो वह 20 नवम्बर तक अपना प्रत्यावेदन बेबसाईट पर या परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में सपर्क कर सकता है।

अमर उजाला
बुधवार, 21 नवंबर 2018

क्षेत्र की समस्याओं पर शोध करें : प्रो. जोशी

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग, आईपीएसडीआर और हिमालयन एजुकेशनल रिसर्च एंड डेवलपमेंट सोसायटी की ओर से दो दिनी कार्यशाला आयोजित की गई। इसका विषय हिमालयन क्षेत्र से पलायन चुनौतियां और समाधान था।

एचआरडीसी सभागार में आयोजित समापन सत्र में प्रो. टीडी जोशी ने कहा कि वर्तमान समय में ग्रामीण क्षेत्रों की समस्या में काफी इजाफा हो रहा है और ऐसे में उच्च शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी बनती है कि समस्याओं पर शोध करें। साथ ही नीति नियंताओं, सरकारों को सुझाव दें, जिससे क्षेत्र का विकास हो सके। प्रो. अतुल जोशी ने कहा कि उत्तराखंड के गांवों से जिस प्रकार पलायन हुआ है वो ठीक संकेत नहीं है। इस दौरान प्रो. बीडी कविदयाल, प्रो. एलएस बिष्ट, प्रो. अनिल जोशी, डॉ. एमसी पांडे, डॉ. एएस उनियाल, डॉ. कमल जोशी, प्रो. एमएम जिन्नाह, डॉ. प्रदीप जोशी, डॉ. सारिका जोशी, डॉ. संजय तिवारी, डॉ. जीवन उपाध्याय, डॉ. अब्दुल सामीर, डॉ. अब्दुल सकीर, डॉ. मनप्रीत सिंह, डॉ. गगनप्रीत सिंह, डॉ. चमन कुमार, डॉ. वैशाली बिष्ट, डॉ. विजय, डॉ. मनोज पांडे, डॉ. ललित पंत, डॉ. विनोद जोशी, डॉ. आस्था अधिकारी आदि थे। ब्यूरो

अमर उजाला
नैनीताल | शुक्रवार, 23 नवंबर 2018

'झूठे समाचारों पर विश्वास करना घातक'

पत्रकारिता के विद्यार्थियों की एक दिनी कार्यशाला

फैक्ट चेकिंग कार्यशाला के दौरान प्राध्यापक और विद्यार्थी। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

नैनीताल। डीएसबी परिसर के पत्रकारिता और जन संचार विभाग में बृहस्पतिवार को गूगल के फैक्ट चेकिंग प्रोग्राम के तहत एक दिनी कार्यशाला हुई। इसमें पत्रकारिता के विद्यार्थियों को फेक न्यूज के स्रोतों के बारे में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षक वरिष्ठ पत्रकार कार्तिकेय हर्बोला ने कहा कि वर्तमान में सोशल मीडिया समाज में बड़ी तेजी से अपनी जगह बना रहा है तो वहीं संचार के इस माध्यम का दुरुपयोग कर समाज में भ्रामक जानकारियां भी तेजी के साथ फैलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले समाचारों पर लोग आंख मूंदकर विश्वास कर लेते हैं, जो सही नहीं है। गूगल के फैक्ट चेकिंग अभियान के तहत उन्होंने गूगल न्यूज इनिशिएटिव का परिचय देते हुए ऑनलाइन फोटो सत्यापन, विडियो सत्यापन आदि के बारे में भी बताया गया। वहां विभागाध्यक्ष डॉ. गिरीश रंजन तिवारी, सहायक प्राध्यापक पूनम बिष्ट, चंदन आदि मौजूद रहे।

विवि में शिक्षण व शोध की गुणवत्ता पर जोर

कुमाऊं विवि के स्थापना दिवस पर डीएसबी परिसर में हुआ समारोह

जागरण संवाददाता, नैनीताल : कुमाऊं विवि का 45वां स्थापना दिवस शनिवार को समारोहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विवि के परिसरों में शिक्षण व शोध की गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया गया। साथ ही उपलब्धियों पर हर्ष जताते हुए संस्था की बेहतरी के लिए काम करने का संकल्प लिया गया।

शनिवार को डीएसबी परिसर के एएन सिंह हॉल में समारोह हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व सांसद व विवि स्थापना संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभा चुके डॉ. महेंद्र पाल ने रचनात्मक क्रियाकलापों को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर बल दिया। इस दौरान कटौच के साथ पूर्व सांसद पाल को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और रंगकर्मी उमेश तिवारी की नैनीताल के रंगमंच के इतिहास पर लिखित पुस्तक का विमोचन भी किया गया। इससे पहले कुलपति प्रो. डीके नौडियाल, परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, परिसर के लिए भूमि दान करने वाले ठाकुर देव सिंह बिष्ट के वंशज अनिरुद्ध कटौच, अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पदम सिंह बिष्ट, परीक्षा नियंत्रक प्रो. संजय पंत, प्रो. पीसी पांडे, प्रो. ललित तिवारी, डॉ. रितेश साह, डॉ. आशीष मेहता आदि ने ठाकुर देव सिंह बिष्ट की मूर्ति पर पुष्प अर्पित किए। समारोह में कार्य परिषद सदस्य डॉ. सुरेश डालाकोटी, पूर्व छात्र दिनेश जुयाल, सुरेश गुरुरानी, विशंभर नाथ सखा, प्रो. एनएस बिष्ट, डॉ. एलएस बिष्ट बटरोही, प्रो. एबी मेलकानी, प्रो. भगवान सिंह बिष्ट, कैप्टन एलएम साह, प्रो. एसपीएस मेहता, प्रो. जीएस नेगी, प्रो. गंगा बिष्ट, प्रो. नीरजा टंडन आदि मौजूद रहीं।

नैनीताल डीएसबी में कुमाऊं विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस पर समारोह में ठाकुर दान सिंह मालदार के वंशज अनिरुद्ध कटौच को सम्मानित करते कुलपति प्रो. नौड़ियाल ● जागरण

प्रो. पदम सिंह बिष्ट को दिया भारत शिक्षा रत्न अवार्ड

नैनीताल : डीएसबी परिसर के अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पदम एस बिष्ट को राष्ट्रीय विकास में योगदान व व्यक्तिगत उपलब्धियों के लिए भारत शिक्षा रत्न अवार्ड से सम्मानित किया गया है। ग्लोबल सोसाइटी फॉर हेल्थ एंड एजुकेशनल ग्रोथ संस्था की ओर से शुक्रवार को दिल्ली में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि रवांडा के उच्चायुक्त मूक्यो रूतिशिशा ने उन्हें यह अवार्ड दिया। कुलपति प्रो. डीके नौड़ियाल, परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, प्रो. एचसीएस बिष्ट व अन्य प्राध्यापकों ने पुरस्कार मिलने पर हर्ष जताते हुए प्रो. बिष्ट को बधाई दी है।

अमर उजाला | हल्द्वानी-नैनीताल | नैनीताल | मंगलवार, 20 नवंबर 2018 | 6

चिंतन

कुमाऊं विवि में हिमालय क्षेत्र से पलायन विषय पर शुरू हुई दो दिनी कार्यशाला

'नैनीताल समेत दस जिले विकास की दौड़ में पिछड़े'

अमर उजाला ब्यूरो

नैनीताल। कुमाऊं विवि के वाणिज्य विभाग और आईपीएसडीआर की ओर से एचआरडीसी सभागार में हिमालय क्षेत्र से पलायन, चुनौतियां और समाधान विषय पर दो दिनी कार्यशाला शुरू हुई।

सोमवार को कार्यशाला में मुख्य अतिथि राज्य पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एसएस नेगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश से अलग होने के बाद उत्तराखंड के पहाड़ी जिलों देहरादून, हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जिले में तो तेजी से विकास हुआ लेकिन नैनीताल, अल्मोड़ा समेत राज्य के दस जिले के ब्लॉक विकास की दौड़ में पिछड़ गए। उन्होंने कहा पहाड़ में लोगों ने सात लाख हेक्टेयर में से एक लाख हेक्टेयर भूमि में सुविधाएं नहीं मिलने पर खेती करनी छोड़ दी है।

नैनीताल में राज्य पलायन आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. एसएस नेगी।

एसीआरआई की वरिष्ठ अकादमिक सलाहकार डॉ. सर्वानी पांडे ने कहा कि कुविवि में एमबीएस ग्रामीण प्रबंधन विषय के विद्यार्थी गांवों से पलायन रोकने में सहायक होंगे। कहा कि इन विद्यार्थियों को भारत सरकार की ओर से प्लेसमेंट भी दिया जाएगा। प्रो. एनएस बिष्ट ने कहा कि समय-समय पर बढ़े परिवहन के संसाधनों से भी ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन बढ़ा है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के बाद यहां आने वाले निवेशकों ने भी पहले विकसित शहरों पर ध्यान दिया, जिससे ग्रामीण इलाके पिछड़ गए। कार्यशाला के आयोजन सचिव प्रो. अतुल जोशी और संचालन प्रो. इंदू पाठक ने किया। वहीं कुविवि के आईपीएसडीआर की ओर से 45 शोधपत्रों पर तैयार की गई पलायन पर आधारित पुस्तक का अतिथियों ने विमोचन किया। इस मौके पर परिसर निदेशक प्रो. एलएम जोशी, विभागाध्यक्ष वाणिज्य प्रो. बीपी सिंघल, प्रो. पीएस बिष्ट, डॉ. कमल जोशी, प्रो. तारा दत्त जोशी, प्रो. बीडी कविदयाल, एसएस यादव, डॉ. रितेश शाह, प्रो. गंगा बिष्ट आदि रहे।

'इतिहास को पर्यटन के साथ जोड़ें तो होगा लाभ'

नैनीताल। पर्यावरणविद् प्रो. अजय रावत ने कहा कि उत्तराखंड में कई ऐसे स्थान हैं, जहां से कई ऐतिहासिक और आध्यात्मिक कहानियां जुड़ी हैं। यदि इन जगहों में होमस्टे बनाए जाएं तो पर्यटकों का रुझान इस ओर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पर्यटन क्षेत्र में वनों को भी वरीयता दी जाए तो इसका काफी लाभ होगा और पलायन भी रुकेगा। ब्यूरो